

भादुडा में गरणावे तेजल अलगोजा की जोड़ी



भादुडा में गरणावे तेजल,
अलगोजा की जोड़ी,
बांध पगा में घुंघरा,
नाचेंली लिलण घोड़ी। **bd।**

गांव गांव खेडा में तेजा,
निकल छः बन्दोरी,
डिजे ऊपर घुमर खावे,
या भक्ता वाली टोली,
भादुडा में गरणावे तेजल,
अलगोजा की जोड़ी। **bd।**

बागा में हरियाली छाई,
बोलें छः कोयलडी,
मोरया नाचें मोरणी,
लागे छः प्यारी जोड़ी,
भादुडा में गरणावे तेजल,
अलगोजा की जोड़ी। **bd।**

काली काली बादली,
बरसे छः थोड़ी थोड़ी,
खेता माही हलयो बावे,
दो बैला की जोड़ी,
भादुडा में गरणावे तेजल,
अलगोजा की जोड़ी। **bd।**

काला को खायोडो तेजा,
थारी आवे दोड़ी,
पल में झाडो देर मिलावे,
घर धणी की जोड़ी,
भादुडा में गरणावे तेजल,
अलगोजा की जोड़ी। **bd।**



सुरसुरा में तेजा थारी,
प्यारी लागे मेडी,
दसमी को थारे मैलो लागे,
दुनिया आवे दोडी,
भादुड़ा में गरणावे तेजल,
अलगोजा की जोड़ी। **bd।**

जाटा का तेजाजी थाने,
सोवे लिलण घोडी,
'रमेश प्रजापत' महिमा गावे,
कृपा करजे थोडी,
भादुड़ा में गरणावे तेजल,
अलगोजा की जोड़ी। **bd।**

भादुड़ा में गरणावे तेजल,
अलगोजा की जोड़ी,
बांध पगा में घुंघरा,
नाचेली लिलण घोडी। **bd।**

गायक / प्रेषक – रमेश प्रजापत टोंक।
